नवभारत

'मॉडर्न विश्वविद्यालय' बनाने के लिए प्रयास

'मॉडर्न' कॉलेज को आज प्रगति के शिखर पर ले जाने के लिए सभी ने अपनी-अपनी ओर से बहुमूल्य योगदान दिया है. इस कॉलेज को पीईएस के कार्याध्यक्ष प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे का अनमोल मार्गदर्शन तो प्राप्त हुआ है. इसके अलावा पिछले पांच दशकों में इस कॉलेज ऊंचाइंयों तक ले जाने के लिए और इसमें गुणात्मक बढ़ोतरी करने के लिए महाविद्यालय विकास मिति की अध्यक्ष प्रा. ज्योत्स्ना एकबोटे, प्रा. पद्माकर चिरपुटकर, डॉ. अरविंद पांडे का भी काफी अच्छा मार्गदर्शन मिला है. महाविद्यालय के सभी उपप्राचार्य, विभाग प्रमुख, शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र तथा अभिभावकों की ओर से इस कॉलेज को काफी अच्छा सहयोग मिला. इसी की बदौलत मॉडर्न कॉलेज का विस्तार हुआ. वर्ष 2019-20 में यूजीसी की ओर से इस कॉलेज को 'स्वायत्त' दर्जा प्राप्त हुआ. यह कॉलेज की प्रगति में एक अहम घटना थी. इस कॉलेज की बेहतरीन शिक्षा के बदौलत ही इस कॉलेज की ओर से समाज को सर्वोत्तम डॉक्टर, विभिन्न खेलों के खिलाड़ी, उच्चपदस्थ अधिकारी, पुलिस के अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक दिए है. आने वाले समय में संस्था को और भी ज्यादा विकसित करने के लिए प्रयास जारी है. नैक द्वारा दिया गया 'अ+' दर्जा आने वाले समय में भी कायम रखने के लिए प्रयास होगा. अभी भी जिन विभागों में अनुसंधान केंद्र स्थापित नहीं है, ऐसे विभागों में करीब 10 केंद्र स्थापित करने के लिए प्रयास होंगे. अभी को इस महाविद्यालय को 'स्वायत्त' दर्जा है. लेकिन बहोत जल्द 'मॉडर्न कॉलेज' को 'मॉडर्न विश्वविद्यालय' बनाने के लिए का प्रयास किया जाएगा. इसके लिए सभी लोग अपनी-अपनी ओर से योगदान दे रहे है. पीईएस के कार्याध्यक्ष प्रा. डॉ. गजानन एकबोटे, ज्योत्स्ना एकबोटे, सचिव तथा इस कॉलेज के उपप्राचार्य श्यामकांत देशमुख तथा महाविद्यालय की आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. अंजली सरदेसाई का इसमें बहुमूल्य योगदान प्राप्त हो रहा है. आज यह संस्था अपने स्वर्ण महोत्सव वर्ष का समापन कार्यक्रम कर रही है, यह सभी के लिए एक गौरव का क्षण है.

- डॉ. राजेंद्र झुंजारराव,
प्राचार्य, मॉडर्न कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय,
शिवाजी नगर, पुणे

Pune Edition
19-january-2021 Page No. 8
epaper.enavabharat.com